**प्रेस के लिए सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति संख्या 74/2024)**

तत्काल प्रकाशन हेतु

**भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण**

**भादूविप्रा ने इंडिया मोबाइल कांग्रेस-2024 (आईएमसी-2024) के साथ-साथ इमर्सिव टेक्नोलॉजीज, डी2एम और 5जी ब्रॉडकास्टिंग और डिजिटल रेडियो टेक्नोलॉजी पर सत्रों के साथ 'प्रसारण क्षेत्र में उभरते रुझान और प्रौद्योगिकियों' विषय पर एक परिसंवाद का आयोजन किया।**

**नई दिल्ली, 17 अक्टूबर, 2024 :** इंडिया मोबाइल कांग्रेस-2024 (आईएमसी-2024) कार्यक्रम के मौके पर आज भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 'प्रसारण क्षेत्र में उभरते रुझान और प्रौद्योगिकियों' पर एक परिसंवाद का आयोजन किया गया है। इस परिसंवाद में प्रसारण उद्योग के भीतर उभरती प्रौद्योगिकियों की परिवर्तनकारी संभावना और व्यावहारिक अनुप्रयोगों पता लगाया, जिसमें इमर्सिव टेक्नोलॉजीज, डी2एम और 5जी प्रसारण और डिजिटल रेडियो पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रसारण उद्योग, प्रौद्योगिकी दिग्गजों, उपकरण निर्माताओं और सरकार के प्रमुख हितधारकों सहित 100 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी व्यावहारिक चर्चाओं में भाग लेने और डिजिटल युग में प्रसारण के भविष्य का पता लगाने के लिए एकत्र हुए।

2. प्रसारण परिदृश्य को एक आकार देने वाले महत्वपूर्ण विषयों को शामिल करने के उद्देश्य से इस परिसंवाद को तीन बैक-टू-बैक सत्रों में संरचित किया गया है। सत्रों की अध्यक्षता उद्योग जगत के प्रतिष्ठित नेताओं और सरकारी अधिकारियों ने की, जिनमें टाटा प्ले लिमिटेड के प्रौद्योगिकी प्रमुख श्री विशाल आर्य, दूरसंचार विभाग के डीडीजी श्री अशोक कुमार और दूरसंचार विभाग के डीडीजी श्री सैयद तौसीफ अब्बास शामिल हैं। इन सत्रों में प्रसारण क्षेत्र, उपकरण और नेटवर्क निर्माताओं के विशेषज्ञों सहित प्रसिद्ध संगठनों के विशेषज्ञ वक्ताओं ने भी भाग लिया।

3. प्रथम सत्र में 'ब्रॉडकास्टिंग परिदृश्य में इमर्सिव टेक्नोलॉजीज का उपयोग' नामक शीर्षक पर गहन चर्चा की गई कि कैसे संवर्धित वास्तविकता (एआर), आभासी वास्तविकता (वीआर) और मिश्रित वास्तविकता (एमआर) जैसी प्रौद्योगिकियाँ प्रसारण में सामग्री निर्माण और उपभोग में क्रांति ला सकती हैं। प्रौद्योगिकी नवोन्मेषकों के साथ-साथ प्रसारण क्षेत्र के विशेषज्ञों ने उपयोग के मामलों को प्रस्तुत किया, ताकि यह उजागर किया जा सके कि कैसे इमर्सिव प्रौद्योगिकियां दर्शकों की सहभागिता को बढ़ा सकती हैं, समृद्ध अनुभव प्रदान कर सकती हैं और मीडिया सामग्री वितरण के भविष्य को एक नया आकार दे सकती हैं।

4. दूसरे सत्र, डी2एम और 5जी प्रसारण: अवसर एवं चुनौतियां' में दो प्रमुख तकनीकी मानकों अर्थात एटीएससी 3.0 और 5जी प्रसारण (3जीपीपी मानक पर आधारित) पर चर्चा की

गई ताकि मोबाइल हैंडसेटों पर सामग्री की निर्बाध सीधी प्राप्ति की सुविधा प्रदान की जा सके, जिससे उपयोगकर्ताओं की मीडिया तक पहुंच और उपभोग के तरीके में संभावित रूप से बदलाव आ सके। सत्रों में आयोजित किए जा रहे परीक्षणों और अवसंरचना, स्पेक्ट्रम, एंड डिवाइस इकोसिस्टम आदि की आवश्यकता जैसी चुनौतियों पर भी चर्चा की गई।

5. अंतिम सत्र, 'डिजिटल रेडियो प्रौद्योगिकी: भारत में परिनियोजन रणनीतियाँ' में भारतीय बाजार के लिए डिजिटल रेडियो को परिनियोजित करने की रणनीतियों की जांच की गई। विशेषज्ञों ने डिजिटल रेडियो ऑफ़र के लाभों पर चर्चा की, जिसमें बेहतर ध्वनि गुणवत्ता, स्पेक्ट्रम दक्षता और मल्टीमीडिया सेवाएं प्रदान करने की क्षमता शामिल है; साथ ही मौजूदा एनालॉग नेटवर्क के साथ अंतर-संचालन के लिए चुनौतियों और समाधानों के साथ डिजिटल प्रसारण में एक सहज संक्रमण को सक्षम करना भी शामिल है।

6. इन चर्चाओं से उम्मीद है कि ये भारत में प्रसारण क्षेत्र के लिए भविष्य की नीतियों को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, जिससे एक समावेशी और अभिनव प्रसारण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास को सुनिश्चित किया जा सकेगा । सत्र के विवरण के बारे में किसी भी विस्तृत जानकारी के लिए, भादूविप्रा के सलाहकार (बीएंडसीएस) श्री दीपक शर्मा से advbcs-2@trai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।।

अतुल चौधरी 17/10/2024

**(अतुल कुमार चौधरी)**
**सचिव, भादूविप्रा**

******